अरविन्द कुमार त्रिपाठी
द्वारा
पुरातन बान्दा, बुन्देलखण्ड का संक्षिप्त वर्णन





पशु, पक्षी, वृक्ष, झुप, जड़ी–बूटी व जन्गाल
Animal, Birds, Trees, Shrubs, Herbs & Forests

Puratan BANDA, Bundelkhand ka Sankshipt Varnan

Arvind Kumar Tripathi

ISBN : 978-93-5906-820-6

पशु, पक्षी, वृक्ष, झुप, जड़ी–बूटी व जन्गल Animal, Birds, Trees, Shrubs, Herbs & Forests

अध्याय शीर्षक	पशु पक्षी वृक्ष झुप व जड़ी–बूटी व अन्य
सर्वाधिकार	अरविन्द कुमार त्रिपाठी, लेखक
आइ एस बी एन/ **ISBN**	**978-93-5906-820-6**
प्रकाशक	अरविन्द कुमार त्रिपाठी, लेखक ग्राम – अछरौन्ड, बान्दा – 210 001 उत्तर प्रदेश
मूल्य	निःशुल्क, पुस्तक मित्र को देना
सन्स्करण	प्रथम, 01 अप्रैल 2020
आवरण/मुखपृष्ठ	अरविन्द कुमार त्रिपाठी, लेखक
शब्द – संयोजन	अरविन्द कुमार त्रिपाठी, लेखक
मुद्रक	अरविन्द कुमार त्रिपाठी, लेखक
सन्दर्भ/साभार/सौजन्य	अध्याय **Reference** देखे

Chapter Heading	**Animal, Birds, Trees, Shrubs & Herbs**
Copyright @	**Arvind Kumar Tripathi, The Writer**
ISBN	**978-93-5906-820-6**
Publisher	**Arvind Kumar Tripathi** **Village - Achharaund** **Banda - 210 001** **Uttar Pradesh**
Price	**Free, Circulate to Friends**
Edition	**First, 01 April 2020**
Cover Main	**Arvind Kumar Tripathi, The Writer**
Word Compositor	**Arvind Kumar Tripathi, The Writer**
Printer	**Arvind Kumar Tripathi, The Writer**
Reference/ Gratitude/ courtesy	**Peruse Chapter - REFERENCE**

अरविन्द कुमार त्रिपाठी कृत पुरातन बान्दा, बुन्देलखण्ड का संक्षिप्त वर्णन

पशु, पक्षी, वृक्ष, झुप, जड़ी–बूटी व जन्गाल Animal, Birds, Trees, Shrubs, Herbs & Forests

पुरातन बान्दा, बुन्देलखण्ड – पशु पक्षी वृक्ष झुप व जड़ी–बूटी व अन्यों का संक्षिप्त वर्णन

अरविन्द कुमार त्रिपाठी कृत पुरातन बान्दा, बुन्देलखण्ड का संक्षिप्त वर्णन

पशु पक्षी वृक्ष झुप व जड़ी–बूटी

प्रत्येक घर के आन्गन में तुलसी–बिरवा लगाना शुभ मानते हैं। उसे लक्ष्मी का स्वरूप मानकर पूजा करना उसके तुलसीदल को प्रतिदिन भोजन या प्रसाद में ग्रहण करना, प्रतिदिन उस पर जल चढ़ा कर उसे पोषित करना तथा रात्रि में उसके सामने दीपक रखकर दीपदान करना सामान्य लोक परम्परा है। तुलसी का पौधा दीपक के प्रकाश में प्रकाश–सन्श्लेषण क्रिया करता है। इससे रात्रि में भी ऑक्सीजन निकलती है तथा घर का वातावरण प्राणमय हो जाता है। इसी गुण के आधार पर पीपल (अश्वत्थ) को पूज्य माना जाता है। भगवान श्रीकृष्ण ने वृक्षों में मै अश्वत्थ हूँ कहकर स्वयम् उसे अपना (विष्णु का) अवतार घोषित कर दिया। पीपल विष्णु का अवतार है, तुलसी लक्ष्मी स्वरुपा है। इसीलिये कार्तिक स्नान करने वाली बुन्देली महिलायें अपनी तुलसी का विवाह विष्णु–रुप शालिग्राम से करती हैं। पेड़–पौधों में देवत्व की यह प्रतिष्ठा भरने की लोक भावना कोई पागलपन नहीं है, अपितु यह एक मनौवैज्ञानिक प्रभाव है। जिसक द्वारा आम आदमी इन वृक्षों की रक्षा, देवताओं की रक्षा करने जैसा संकल्प लेकर, करता है। यहां तुलसी, पीपल, बरगद, आंवला, क्षेन्कुर और केला की पूजा का विधान पर्यावरण के प्रति लोक शिक्षण का उपक्रम है।

नीम का वृक्ष दरवाजे पर लगाना मान्गलिक माना जाता है। एक अनुमान के आधार पर नीम के सर्वाधिक वृक्ष भारत में हैं तथा भारत में भी बुन्देलखण्ड में। यहां नीम के औषधीय उपयोग लोक परम्परा में समादृत हैं। नीम का वर्णन अनेक लोक गीतों में मिलता है। नीम तथा आम्र की मन्जरी खाने की परम्परा है। नीम की दातुन करना नित्यकर्म का अन्ग है। चेचक निकलने पर रोगी के पलन्ग पर कहीं नीम की पत्तों का झोन्का रखने, कहीं पलन्ग में पत्ती बान्धने और कहीं नीम की पत्ती से रोगी को हवा करने की परम्परा हैं। शव दाह करने के पश्चात् घर में प्रवेश के पूर्व हाथ पैर धोकर नीम की पत्ती खोन्ट कर खाने का लोकविधान तथा लोक शिष्टाचार है। यदि कोई अन्त्येष्टि यात्रा में सम्मिलित व्यक्ति बिना नीम की पत्ती खोटे घर चला जाय तो इसे असामाजिक माना जाता है। इसके पीछे यह निहितार्थ प्रतीत होता है। यदि मृतक को कोई बीमारी रही हो तो उसके शरीर में व्याप्त रोग के कीटाणु अन्तिम यात्रा में सम्मिलित जनों के शरीर में वायु के माध्यम से प्रवेश कर सकते हैं। नीम की पत्ती कृमि नाशक होने के कारण उनका सन्क्रमण रोकती है। नीम का अधिकाधिक प्रयोग करने की यह लोक परम्परा विज्ञान सम्मत है।

यदि कुछ और परम्पराओं को परखा जा सकता है। यथा– घर में चेचक निकली है तो लोक मान्यता हैं कि देवी निकली है, इसलिये रोगी के कमरे को लिपा पुता व सुगन्धित रक्खा जाता है। जूते बाहर उतारकर, पैर धोकर ही रोगी–कक्ष में प्रवेश अनुमन्य है। रोगी के चादर बिछावन सफेद होना चाहिये क्योकि देवी को श्वेतरन्ग प्रिय है। पर्यावरण शुद्धता का यह लोक विधान है। चेचक निकली होने पर घर में सब्जियों का छौन्का लगाने, नाई से बाल बनवाने तथा धोबी के यहां कपड़े धुलने डालने का लोक निषेध है। क्योंकि इससे चेचक के सन्क्रामक रोग के कीटाणु अन्य परिवारों में उड़कर सन्क्रमण फैला सकते हैं। अतः इनका वर्जन व्यापक लोक हित में है। एक तर्क और दिया जाता है कि यदि सब्जी के छौन्का से निकली तेज गन्ध के कारण रोगी के निकट बैठे किसी व्यक्ति को छीन्क आ जाये तो उससे निकली वृन्द (ड्रापलेट्स) रोगी के चेचक के दानें में पुनः सन्क्रमण पैदा कर सकते हैं। जूता चप्पलों के माध्यम से घर के भीतर आई गन्दगी भी सन्क्रमण पैदा कर सकती है, अतः जूता चप्पल बाहर उतारना, देवी के सम्मान की धार्मिक भावना के साथ विज्ञान सम्मत भी है। नीम की पत्ती का धुन्आ करने से भी अनेक कीड़े मच्छर भग जाते हैं। अतः इनकी वैज्ञानिकता स्वयम्सिद्ध है।

ग्रामीण जनों का पीली मिट्टी से स्नान करने को साबुन से स्नान करने वाले मजाक उड़ाते हैं किन्तु प्राकृतिक चिकित्सा ने इसे उपयोगी माना है।

सन्दर्भ 126

वनस्पति और जीव–जन्तु

वनस्पतिः दक्षिण–पूर्वी बान्दा जो अब चित्रकूट जिले के नए नाम के अन्तर्गत आता है और दक्षिणी बान्दा विन्ध्याचल पहाड़ियों के साथ घना जन्गल था। आधी सदी पहले, यह विभिन्न प्रकार के पेड़ों, झाड़ियों और जड़ी–बूटियों से भरा हुआ था।

जीव–जन्तु– जानवरों में सामान्य मृग जिसे हिरन या मृग कहा जाता है, काली कपास मिट्टी में पाए जाते हैं। नीलगाय मुख्यतः बान्दा और बबेरू तहसील के उत्तरी भाग में पाई जाती है। चिन्कारा या हिरन पूरे बीहड़ क्षेत्रों में आम है। कैराकल या भारतीय लंक्स पाया जाता है, लेकिन शायद ही कभी, और जन्गली बिल्लियों और सिवेट(काफी बनाने का स्टार्टअप) के कई नमूने हैं। भेड़िया पूरे जिले में दुर्लभ है, लेकिन तहसील बबेरू के इन्गुआ, मऊ के बीहड़ों जैसे एक या दो स्थानों पर अक्सर देखा जाता है। लोमड़ी या लोमड़ी, गिदर/ गिदड़ या सियार, सूअर या जन्गली सुअर सर्वव्यापी हैं और धारीदार लकड़बग्घा अधिकान्श स्थानों पर पाया जाता है। सांम्भर और काला हिरन अच्छे आकार में

बढ़ता है, लेकिन सन्ख्या में कम हो रहा है, जबकि चीतल की कमी आम हैं। अन्धाधुन्ध गोलीबारी, वनों की कटाई, आगजनी और मानवीय हस्तक्षेप के कारण बाघ विलुप्त हो गए हैं।

वनस्पतियों एवम् वन्य जन्तुओं की शब्दावली
बान्दा वन प्रभाग में सामान्यतः पाई जाने वाली वनस्पति शब्दावली

अ वृक्ष 1 – 100
ब– जड़ी–बूटी (हर्ब) एवम् क्षुप 102 – 149
स. घास 151– 169

1	स्थानीय नाम	लैटिन नाम (हिन्दी में)	लैटिन नाम (अन्ग्रेजी में)
2	1	2	3
3	अकेसिया / सोनझरी	अकेसिया औरिकुलीफार्मिस	**Acacia auriculaeformis**
4	अकोला	अलेन्जियम साल्वीफेलियम	**Alangium salvifoliumm**
5	अमलतास	केसिया फिस्टुला	**Cassia fistula**
6	असना, तुरहा	टर्मिनेलिया अलाटा	**Terminalia alata**
7	असिद्ध, धौड़ी	लैगरस्ट्रोमिया पार्वीफलौरा	**Lagerstroemia parviflora**
8	अचार, चिरौंजी	बुकनानिया लॉजन	**Buchanania lanzan**
9	अजवाई, कापर	फाइकस रेटुसा	**Ficus retusa**
10	अर्जुन, कवा, कहवा	टर्मिनेलिया अर्जुना	**Termminalia arjuna**
11	अद्धी, पॉडल	स्टेरियोस्पर्मम सुआवेलेन्स	**Stereospermum Suaveolens**
12	अन्जन, अर्री	आइलैन्थस एक्सेल्सा	**Ailanthus excelsa**
13	आम	मैन्जीफेरा इण्डिका	**Mangifera indica**
14	आँवला / आम्वला	इम्बलिका औफिसिनेलिस	**Embelica officinalis**
15	इन्गुवा, हिन्गोट	बेलेनाइट्स अजेप्टिका	**Balanites aegyptica**
16	इमली	टेमरिन्डस इण्डिका	**Tamarindus indica**
17	कटैईया	फ्लैकोर्शिया इण्डिका	**Flacourtia indica**
18	कठ जामुन	सइजिजियम हिनेनम	**Syzgium geyneanum**
19	कठ बेर	फाइकस टोमेन्टोसा	**Ficus tomentosa**
20	कठ पीपल	फाइकस आर्नोटियाना	**Ficus arnottiana**
21	कठ सागौन	हैप्लोफ्रेग्मा एडीनोफाइलम	**Haplophragma adenophyllum**
22	कन्जी	पोन्गामिया पिन्नाटा	**Pongamia pinnata**
23	कन्जू / चिलिबिल	होलीप्टीलिया इन्टेग्रीफोलिया	**Holoptelea integrifolia**
24	कप्सा / कप्सावा	कीडिया केलिसिना	**Kydia calycina**
25	करधई / धवई	एनोगाइसस पेन्डूला	**Anogeissus pendula**
26	करम / हल्दू	एडाइना कार्डिफोलिया	**Adina cordifolia**
27	कसई / कसहा	ब्रोइडेलिया रेट्यूसा	**Bridelia retusa**
28	कारी	मिलिउसा टोमेन्टोसा	**Miliusa tomentosa**
29	काला सिरस	अल्बीजिया लेबेक	**Albizzia lebbek**
30	कीमेला, रोहिनी	मेलोटस फिलिपाइनेन्सिस	**Mallotus phillipensis**

31	काला कीकर	अकेसिया फेरूजीनिया	**Acacia ferruginea**
32	कुम्भी	केरिया आरबोरिया	**Careya arborea**
33	कुसुम	श्लाईचेरा ट्रिजगा	**Schliechera trijuga**
34	कैन्थ/ कैन्था	फैरोनिया लाइमोनिया	**Feronia limonia**
35	कोरैया/दुद्धी	होलेरिना एन्टीडायसेन्ट्रिका	**Holarrhena Antidysenterica**
36	खरहर	गार्डेनिया टर्जिडा	**Gardenia turgid**
37	खरपट	गरूगा पिन्नाटा	**Garuga pinnata**
38	खजूर	फोनिक्स ह्यूमिलिस	**Phoenix humilis**
39	खिन्नी/खिरनी	मइमोसोपस हेक्सेण्ड्रा	**Mimusops hexandra**
40	खैर	अकेसिया कैटेचू	**Acacia catechu**
41	खम्हार/गम्हार	मेलाइना आरबोरिया	**Gmelina arborea**
42	गुरजा/झींगन	लेनिया कोरोमन्डेलिका	**Lannea coromandelica**
43	गबदी/गलगल	कोक्लोस्पर्मम रीलिजियोसम	**Cochlospermum Religiosum**
44	गुरिच/कैम/फल्दू	मित्रागाइना पार्वीफोलिया	**Mitragyna parvifolia**
45	गूलर	फाइकस ग्लोमेरेटा	**Ficus glomerata**
46	घोन्ट/घुटेल	जिजिफस जाइलोपाइरा	**Zizy;hus xylopyra**
47	चिल्ला/माथी	केसेरिया टोमेन्टोसा	**Casearia tomentosa**
48	छिउकरा/छिन्वकर	प्रोसोपिस स्पाईसिजेरा	**Prosopis spicigera**
49	जन्गल जेलेबी	पिथेकोलोवियम डलसी	**Pithecolobium dulce**
50	जामुन	साइजिजियम क्यूमिनाई	**Syzygium cumini**
51	जमरासी/ममरी	इलियासडैण्डान ग्लाकम	**Elaaeodendron glaucum**
52	टिन्सा/सान्दन	औजिनिया डबलरजिआडिस	**Ougeinia dalbergioides**
53	टीक/सागौन	टैक्टोना ग्रेन्डिस	**Tectona grandis**
54	तेन्दू	डाइसपाइरस मिलेनोक्जीलॉन	**Diospyros melanoxylon**
55	धुआर/सेन्ध/थूहर/सेहुन्ड	यूफोर्विया निवुलिया	**Euphorobia nivulia**
56	धामिन	ग्रीविया टिलियाफोलिया	**Grewia tiliaefolia**
57	धोबिन	डलबर्जिया पेनिकुलाटा	**Dalbergia peniculata**
58	धौ/धवा	एनोगाइसस लेटीयाफोलिया	**Anogeissus latifolia**
59	नीम	अजेडिरेक्टा इण्डिका	**Azadiranchta indica**
60	पर्सिद्ध/अन्जन	हार्डविकिया बाइनाटा	**Hardwickia binata**
61	पाकड़	फाइकस लेकर	**Ficus lacor**
62	पार्किनसोनिया	पार्किनसोनिया एक्युलिएटा	**Parkinsonia aculeate**
63	पापड	गार्डेनिया लैटिफोलिया	**Gardenia latifolia**
64	पिण्डार/भण्डेर	रेण्डिया अलिजिनोसा	**Randia uliginosa**
65	पीपल	फाइकस रेलिजिओसा	**Ficus religiosa**
66	पेल्टोफॉरम	पेल्टोफॉरम टेरोकार्पस	**Peltophorum pterocarpus**
67	फरई, हरूआ	एरीथ्रीना सुबेरोसा	**Erythrina suberosa**

68	बकैन	मीलिया अजेडिराक	**Melia azadirach**
69	बन्शा / बाँसा	अलबीजिया आडोरेटिसिमा	**Albizzia odoratissima**
70	बबूल	अकेसिया निलोटिका	**Acacia nitotica**
71	बनमूसरिया	एण्टीडेस्मा डायन्ड्रम	**Antidesma diandrum**
72	बरगद / बड़	फाइकस बेन्गोन्सिस	**Ficus bengelensis**
73	भैरी	कैसेरिया टोमेन्टोसा	**Casearoa tomemtosa**
74	बरबेड़ा / भोटी	एरिओलीना हुकेरिआना	**Eriolaena hookeriana**
75	बहेड़ा	टर्मिनोलिया बेलेरिका	**Terminalia belerica**
76	बिजयसाल / विजेहरा	टैरोकार्पस मार्सूपियम	**Pterocarpus marsupium**
77	विलायती सिरस	केसिया सियामिया	**Cassia siamia**
78	बेल / श्रीफल	ईगल मारमेलोस	**Aegle marmelos**
79	बोटल ब्रश	कैलिस्टेमोन विमिनेलिस	**Callistemon viminalis**
80	बेर / बेरी	जिजिुस मोरीसियाना	**Zizyphus mauritiana**
81	भण्डीर / पिएडालू	रेण्डिया उलिजिनोसा	**Randia uliginosa**
82	भुरकुल	हायमेनाडिक्टयान एस्केलसम	**Hymenodectyon excelsum**
83	ममरी / मामर	एलिओडोन्ड्रान ग्लाकम	**Elaeodendron glaucum**
84	मयूरजन्घा / सौना	ओराजाइलम इण्डिकम	**Oroxylum imdicum**
85	महुआ	मधुका इण्डिका	**Madhuca indicum**
86	महुली	बोहिनिया रेसीमोसा	**Bauhinia racemosa**
87	यूकेलिप्टस	यूकेलिप्टस हाइब्रिड	**Eucalyptus hybrid**
88	श्रेंउजा	अकेसिया ल्यूकोफली	**Acacia leucophlaea**
89	लासोड़ा / लमेर	कार्डिया डाइकोटोमा	**Cordial dichotoma**
90	शीशम	डलबर्जिया सिस्सू	**Dalbergia sissoo**
91	सलई / साले	बासबेलिया सैराटा	**Boswellia serrata**
92	सहजन	मोरिंगा ओलिफेरा	**Moringa oleifera**
93	सॉदन	ओजनिया ओजेनेन्सिस	**Ougenia oojeinensis**
94	साल / साखू	सोरिया रोबस्टा	**Shorea robusta**
95	सिरस, सफेद–सिरस	अलबीजिया प्रोसेरा	**Albizzia procera**
96	सेमल	सालमेलिया मालाबरिका	**Salmalia malabarica**
97	सिरकी	सेकुरीनेगा बिरोसा	**Securinega virosa**
98	सिन्हारू	निक्टेन्थस आरबोरिट्रस्टिस	**Nyctanthes arbortistis**
99	हर्दा	डलबर्जिया लेन्सेओलेरिया	**Dalbergia lanceolaria**
100	हर्रा / हरड़	टर्मिनेलिया चेबुला	**Terminalia chebula**
101	....		
102	ब– जड़ी–बूटी (हर्ब) एवम् क्षुप		
103	असेड़	सौलनम बर्बेसीफोलियम	**Salanum verbascifolium**
104	आक	केलोट्रोपिस प्रोसेरा	**Calotropis procera**

105	अवारम	केसिया आरीकुलेटा	**Cassia auriculata**
106	इन्नी	क्लेरोडेण्ड्रान फलोमबाइडस	**Clerodendron phlomidis**
107	ऊँट, कटार, गोखरू	इकाईनोप्स इकाइनेटस	**Echinops echinatus**
108	ऐंठी, मरोड़फल	हेलिक्ट्रस आइजौरा	**Helictres isora**
109	कटैया	फ्लैकोर्सिया इण्डिका	**Flacourtia indica**
110	करयारी	कैपेरिस जिलेनिका	**Capparis zeylanica**
111	करौन्दा	कैरिस ओपाका	**Carissa opaca**
112	कसरौल	मोधानिया छप्पर	**Moghania chappar**
113	काला बन्श	कोलेब्रूकिया	**Colebrookea**
114	कोरा कन्द, बिलाइकन्द	अपोजिटीफोलिया	**Oppositifolia**
115	गन्गेरूवा	अर्जानिया इण्डिका	**Urginea indica**
116	गुरशन्करी	ग्रिविया फ्लैवेसकेन्स	**Grewia flavescans**
117	धिवपत्ती	ग्रिविया हिर्सुटा	**Grewia hirsute**
118	चकुण्डा	डेसमोडियम पल्चेलम	**Deamodium pulchellum**
119	चकुण्ड़ा	केसिया आक्सीडेण्टेलिस	**Cassia occidentalis**
120	चखैरी	केसिया टौरा	**Cassia tora**
121	जन्गली प्याज	सेकुरीनेगा विरोसा	**Securinega virosa**
122	धवई	उर्जिनिया इण्डिका	**Urginia indica**
123	नगड्डुं, सेमारी, षिवारी	उडफोर्डिया फ्रूटीकोसा	**Woodfordia fruticosa**
124	नील	वाइटक्स निगंडो	**Vitex negundo**
125	बैर, झड़बेरी	इण्डिगोफेरा हिर्सुटा	**Indigofera hirsute**
126	बैली	जिजीफस न्यूमुलेरिया	**Zizyphus nummularia**
127	भटकटैया	हेसपेरेथूसा क्रेनुलाटा	**Hesperethusa crenulata**
128	मैलफली, मैनफल	सोलैनम इण्डिकम	**Solanum indicum**
129	रामबान्स	रेण्ड़िआ ड्यूमेटोरम	**Randia dumetorum**
130	लेण्टाना	अगेव अमेरिकाना	**Agave Americana**
131	वासक	लेन्टाना कैमारा	**Lantana camara**
132	सरफौक	एधाटोडा बेसिका	**Adhatoda vasica**
133	सियारी, सिन्हारू, हरसिन्गार	निकटेथेस आरबोरिद्रस्टिस	**Nyctanthes arbortristis**
134	अमरबेल	कस्कुटा रेफ्लेकसा	**Cuscuta reflexa**
135	ऐल	मिमोसा हिमालयाना	**Mimosa himalayana**
136	केवॉच, कॉच	म्युकुना प्रुरिटा	**Mucuna prurita**
137	केवटी	बेन्टिलॉगो कैलीकुलेटा	**Ventilaga calyculata**
138	गाज	मिलेशिया आरीकुलेटा	**Millettia auriculata**
139	गुरिच	टिनोस्पोरा कार्डीफोलिया	**Tinospora cordifolia**
140	धोची, रत्ती	अब्रस प्रकेटोरिअस	**Abrus precatorius**
141	छरन्हटा	काक्कुलस हिर्सुटस	**Cocculus hirsutus**

142	छुद्धी, दुधिया	इक्नोकार्पस फुटेसेन्स	**Ichnocarpus frutescens**
143	रानीबेल	सीसस रेपाण्डा	**Cissus repanda**
144	फाक	रिवीजा	**Rivea**
145	बद्रसिन	हाइपोक्रेटेराफर्मिस	**Hypocrateotformis**
146	मकोय	व्यूटिआ सुपर्वा	**Butea superb**
147	मलककनी, मलकन्गनी	जिजीफस	**Zizyphus oenoplia**
148	मऊराइन	सेलास्ट्रस पेनीकुलेटा	**Celastrus paniculata**
149	रामदातून	बोहिनिया बेहलाई	**Bauhinia vahlli**
150			
151	स. घास	स्माइलेक्स प्रोलीफेरा	**Smilax prolifera**
152	काँस	स्केरम स्पान्टेनियम	**Sachharum spontaneum**
153	खस	वेटवेरिया जिजिनॉइडिस	**Vetiveria zizanioides**
154	गन्गेरूआ	एन्ड्रोपोगान प्यूमिलस	**Andropagen pumilus**
155	गुरेर, भोढ़ी	थीमेडा क्वाड्रीवाल्विस	**Themeda quadrivalvis**
156	बिकना, चिकुवा	क्राइसोपोगोन फुल्वस	**Chrysopogon fulvus**
157	चिचुरा	एराग्रोस्टिस टेनेल्ला	**Eragrostis tenella**
158	छोटा पख्वा, परवी	अरिस्टाइड़ा हिस्ट्रिकस	**Aristida hystricus**
159	डोण्डा	डाईकेन्थिअम एन्नुलेटम	**Xichanthium annulatum**
160	छूब	साइनोडान डेक्टीलॉन	**Cyhodon dactyion**
161	परवा, लम्पा	हेटेरोपोगन कण्टार्टस	**Heteropogan contortus**
162	मन्जुरा, पटपटवॉ, मुजुरी	अप्लूडा म्युटिका	**Apluda mutica**
163	फुलेरिया, संयूर	बोथ्रिओक्लोआ परटुसा	**Bothriochlora pertusa**
164	बबरू	सोरघम हेलेपेन्स	**Sorghum halepense**
165	मूज	एरिएन्थस मूंजा	**Erianthus munja**
166	मुसेल	आइसालेमा लेकसम	**Iseilema laxum**
167	रातहर	सिम्बोपोगन मार्टिना	**Cymbopogan martini**
168	सैन, सैना	सेहिमा नर्वोसम	**Sehima nervosum**
169	कुश	डेस्मासटैकिया बाइपिनेटा	**Desmostachya bipinnata**

बान्दा वन प्रभाग में पाये जाने वाले वन्य प्राणियों–
स्थानीय, अन्ग्रेजी एवम् अन्तर्राष्ट्रीय नाम

स्थानीय नाम	अन्ग्रेजी नाम	अन्तर्राष्ट्रीय (लैटिन) नाम

प्रथम वर्ग स्तन पोषी (मैगेलिया)
1–नर वानर गण (प्राइमेटस)

बन्दर	रीसस मंकी	मकाका मुलाटा
लन्गूर	हनुमान मंकी	सेमनो पिशेकस एण्टेलस एकटिस

क्रव्याद–गण (कार्नीवोरा)
(अ) विछा–वन्श (फेलिडीफेमिली)

गुलदार	पेन्थर या लेपर्ड	पेन्थरा पार्डस
जन्गली बिल्ली	जन्गल कैट	फेलिस चौस
शेर	टाइगर	पेन्थेरा टाइग्रिस

(ब) अक्ष–वन्श (अर्जिडी फेमिली)

भालू	स्लाथ बेयर	मेलर्सस अर्सिनस

(स) कुमारी–वन्श (मस्टेलिडी फेमिली)

ऊद या जल बिलाव	स्मूथ इन्डियन	आटर लुट्रोगेल परिर्षे सिलेटा
बिज्जू	रेटेल	मेलीबोरा कैपेन्सिस

(द) श्व–वन्श (केलिडी फेमिली)

गीदड़ या स्यार	जैकाल	कैनिस औरियस
जन्गली कुत्ता	इंडियन वाइल्ड डॉग	कुआन अल्माइनस
भेड़िया	वोल्फ	कैनिस ल्यूपस
लोमड़ी	इंडियन फॉक्स	वल्पस बंगालेन्सिस

(य) तरक्षु–वन्श (हायनिडी फेमिली)

हुंडार या लकडबग्गा	स्ट्रइप्ड हायना	हायना हायना

(र) नकुल–वन्श (हेरपेस्टिडी फैमिली)

नेवला	कामन मंगूज	हरपेस्टीज एडवर्डसाई

शीफगण (अन्गुलेट)
(अ) शूल मृग–वन्श (एण्टीलोपिनी फैमिली)

चिन्कारा	इन्डियन गैजेज	गैजेला गैजेला
चौसिन्घा	फोर हार्नड एण्टीलोप	टेट्रासेरस क्वाड्रीकार्निस
नील गाय	ब्लू बुल	बासेलेफस ट्रेगोकेमेलस
मृग	ब्लैक बक या इंडियन एण्टीलोप	सर्वीक्रेपा एण्टीलोप

(ब) मृग–वन्श (स्र्वाडडी फैमिली)

चीतल	स्पाटेड डियर	ऐक्सिस ऐक्सिस
साँभर	साँभर	सर्वस यूनिकलर

(स) सूकर–वन्श (सुड्डी फेमिली)

जन्गली सूअर	इंडियन वाइल्ड बोर	सुस स्क्रोफा

(4) कुतॅक गण (रेडिनिसया)

गिलहरी	थ्री स्ट्राइप्ड पाम स्क्विरल	फुनैम्बुलस पामेरम
चूहा	कामन हाउस रैट	रैट्स रैट्स
मूस	हाउस माउस	मुस मुस्कुलस
साही	इन्डियन पार्कूपाइन	हिस्ट्रिक्स इन्डिका

(5)उन्दरशरा गण (लैगोमार्फ)

खरगोश	इन्डियन हेयर	लेपुस निग्रीकोलिस

(6) कीट भक्षी गण (इंसेक्टिबोरा)

छछून्दर	गेमस्क श्रु	संकुस म्यूरिनस

(7)चर्म चर्मवटक गण (काइरोप्टेरा) वटक

चमगादड़	कामन यलो बैट	स्कोटोफिलस हीथाई

पक्षी वर्ग (एव्स)

1. कुक्कट गण (गैलीफार्गीस)

(अ) विष्कर वन्श (पेन्जीएनिडी फैमिली)

काला तीतर	ब्लैक पाट्रिज	फेन्कोलइनस फेन्कोलइनम
खौखड़ा/छोटी जन्गली मुर्गा	रेड स्पर फउल	फैंकोलइनस पांडिचेरिएन्स
भूरा तीतर	नार्दन ग्रे पाट्रिज	फैंकोलइनस पांडिचेरिएन्स इंटरपैसिटस
बटेरा	ग्रे कवेल	कोटरर्निक्स कोटरर्निक्स
मोर	कामन पी फाउल	पवो क्रिस्टेक्स
रंगीन तीतर	नार्दन पेंटेड पार्टिज	फैंन्कोलइनस पिक्टस पौलिडस
लवा	जन्गल बुश कवेल	पडीकुला एसिआटिका

(2) कपोतगण (कोलम्बी फार्मिस)

(अ) कृकत वन्श (प्टेरो कलाइडिडी फैमिली)

पहाडी तीतर	पेंटेड सैंड ग्राउज	टेरोक्लीज इन्डिकस
भट तीतर	इन्डियन सैंड ग्राउज	टेरोक्लीज इकजुस्टस

(ब) कपोतगण (कोलम्बी फैमिली)

कबूतर	ब्लू राक पिजन	कोलम्बा लिबिया
फाखता	इन्डियन रिंग डव	स्टेप्टोपेलिया डीकाकर्टी

(3) हन्स गण (अन्सेरी फार्मिस)

नकटा	कौम्ब डक	सार्कीडिआर्निस मेलानोटस
छोटी मुर्गाबी	कामन टील	अनस क्रेका
गिरी	काटन टील	नेटटापस कोरोमंडेलिएनस
गुगरल	स्पाटबिल डक	अनस पासीलौरिका
चकवा या सुररवाब	रडी सेल डक	टडोर्ना फेरूजिनिया
काज/सवन	बार हेहेड गूज	ऐन्सर इन्डिकस

(4) टिटिटम गण (प्चराडाई फार्मिस)

चहा	फैनटेल स्नाइज	गैलीनागो गैलीनागो

(5) बक गण (सिकानाई फार्मिस)

करछिया बगुला	लिटिल इग्रेट	एगेट गार्जेटा
बगुला	ग्रे हेरोन	आरडिया सिनेरिया
लगलग	व्हाइट नेक्ड स्टार्क	सिकोनिया एपिसकोपस
सुर्खिया बगुला	केटिल इग्रेट	बुलबुलकस आइबिस

(6) कोंच–गण (सिकानाई फार्मिस)

सरस	सारस क्रेन	ग्रस ऐण्टीगोन

(7) श्येन–गण (फाल्कोनी फार्मिस)

गिद्ध	इन्डियन व्हाइटबैक्ड वल्चर	जिप्स बेंगालेंसिस
गिद्‌ध	ग्रिफिन वल्चर	जिप्स फल्वस
चील	ब्लैक काइट	मिल्वस माइग्रेन्स
धोबिया चील	ब्राहमनी काइट	हैलिआस्टर इण्डस
बज	लगर फाल्कन	फेल्को बापरमिकस
राज गिद्ध	किन्ग वल्चर	सार्कोजिप्स कावस
सफेद गिद्ध	स्कैवेन्जर वल्चर	न्योफ्रान पर्कनाप्टेरस

(8) परभूत गण (क्यूक्यूलीर फार्मिस)

कोयल	कोयल	यूडीनैमिस स्कोलोपेसिआ

(9) उलूक गण (स्ट्रिजी फार्मिस)

जन्गली उल्लू	जन्गल आउलेट	क्लासीडियम रेडिएटम
उल्लू	ब्राउन उड आउल	स्टिकस लेप्टोग्रेमिका

(10) छिप्पिकानु–गण (कैप्रमिल्जी फार्मिस)

छपका	इन्डियन जन्गल नाइटजार	कैप्रीमुलगस इन्डिकस

(11) नीलकन्ठ–गण (कौरेसाई–फार्मिस)

नीलकन्ठ	इन्डियन रोलर	कोरेसिअस बेंगालेंसिस
मानरंग	कामन किन्ग फिशर	अलसेडो ऐटथिस
धनेष	कामन ग्रे हार्नबिल	टोक्स बाइरोस्ट्रिस

(12) कष्ट कूट्टान–गण (पिसी–फार्मिस)

कठफोड़ा	लेसर गोल्डेन नेक्ड उड पेंकर	डायनोपियम बेंगालेंस
कठफोड़ा	लार्ज येलो नेक्ड़ उड पेंकर	पाइकस फौवीनुका

(13) कलिंन्ग–गण (पसेरी फार्मिस)

अन्गारक	ब्लैक डॉगा	डिकूरल ऐडसिमिलिस
अन्गारक	ऐशी रेन वार्बलर	प्रिनिया सोशिएलिस
खन्जन	पाइड बैग टेल	मोटोसिला अल्वा
गौरेया	हाउस स्पैरो	पैसर डोमेस्टिकस
जन्गली मैना	जन्गल मैना	एक्रीडोथेरस फसकस
जन्गली कौआ	जन्गल क्रो	कोर्वस मैकौरिक
देशी कौआ	हाउस क्रो	कोर्वस स्प्लेन्डेन्स
बया	बया	प्लोसिअस फिलीपिन्स
बुलबुल	रेड वेन्टेड बुलबुल	पिकनोनोटस कैफर
मॉडीक	स्वालो	हिरूण्डो रस्टिका

लाल मुनिया	रेड मुनिया	एस्ट्रिल्डा अमंडवा
सतवहिन	जन्गल बैबलर	टुरडोइडिस स्टिएरस
दहियल	मैगपाई राबिन	कप्सीकस सालेरिस
पीलक	गोल्डन औरिओल	ओरिओलस ओरिओलस

(14) शुकानु–गण (सिटसी फार्मिस) –

तोता	रोजरिंग्ड पैराकीट	सिटकुला क्रेमरी

तृतीय वर्ग–सरीसृप (रेप्टीलिया)

(1) पखिर्मि–गण (कैलानिया)

कछुआ(सुन्दरी)	इन्डियन फ्लैपशेल	लेसिमिस पंकटाट एण्डरसनी

(2)गोधिकानु–गण (टीलिया)

गोह	कामन इन्डियन मानिटर	वारेनस बेन्गालेन्सिस
गिरगिट	कामन गार्डन लिर्जड	कैलोटेस वर्सीकलर
छिपकली	नार्दन हाउस गेको	हेमीडेक्टाइलस

(3) अहि–गण (औफाडिया)

टजगर	इन्डियन पाइथन	पाइथन मोलुरस
करैत	कामन इन्डियन क्रेट	बंगेरस सकेरूलिअस
गोहुवन/नाम	इन्डियन कोबरा	नाजा, नाजा
धामन	रैट स्नेक	टियास म्युकोसस
धोबिया सॉप	रसेल्स वाइपर	वाइपस रसेली
पनिही सॉप	स्नाइउर्स स्मूथ वाटर स्नेक	एनहाइड्सि, एनहाइड्सि

चतुर्थ वर्ग–मछलियाँ (पिसेज)

कल बोन्स, करच,करौच	लेबिओ कालबासू
चेलवा	चेल्वा अटवर
टेंगरा	मीस्टस आओर
दरयाई घोड़ा	मीस्टस सीघांला
नैन	सिरहिनस म्रिगला
बाम	अन्गुइला बेंगालेसिंस
मोय	नोटोप्टेरस चिताला
मंगूर	क्लेरिअस
रोहू	लेबिया रोहिटा
सिन्धी	हैटेरोप न्युसटेस फासिलिस
सिलोन्द	सिलोनिया सिलोन्डिया
सिन्घरी	पुटिअस टिक्टो
सौर	चन्ना मारूलिअस

अरविन्द कुमार त्रिपाठी कृत पुरातन बान्दा, बुन्देलखण्ड का संक्षिप्त वर्णन

बांदा जिले में खनन का बढ़ता क्षेत्र और घटती हरियाली से अब वन्य जीव प्रभावित होकर ठिकाना बदल रहे हैं। जनपद में तेजी से वन्य जीवों की संख्या घट रही है और स्थिति यह है कि बारहसिंघा, भालू, नीलगाय, और चीतल विलुप्त हो चुके हैं। डढबामानपुरा, कालिंजर, नौगवां, करतल, बहादुर स्योढ़ा, मटौन्ध, रामपुर मुर्दी, कमासिन, उतरवां, बिसंडा औरन, बबेरु, अलिहा, चिल्ला, पपरेन्दा, पलरा, कुकुवाखास, खैरई, खप्टिहाकला, बेन्दा, मांख, जौहरपुर, मिरगहनी, गजनी, नरी, रामपुर, अमारा, कानाखेड़ा आदि क्षेत्रों में जंगली जानवर निवास करते हैं। वर्ष 2016 और 2019 की गणना में चीतल, भालू, बारहसिंगा और कान्कड की उपस्थिति दर्ज की गई थी इस साल अर्थात 2022 की गणना में इन वन्य जीवों की उपस्थिति नहीं मिली। इसके पीछे बढ़ता खनन का क्षेत्रफल और कम होती हरियाली है। घटती हरियाली के पीछे कथित पौधा रोपण कार्यक्रम का सफल न होना, मुख्य वजह है। कुछ पेड़ कागजों पर लगाए जाते हैं और जो जमीन पर लगाए जाते हैं, उनकी देखभाल न होने से केवल 10 से 15प्रतिशत ही तैयार हो रहे हैं। जितने पौधारोपण होते हैं, उससे ज्यादा का कटान हो रहा है, जिसके लिए पूर्ण रूप से कौन विभाग जिम्मेदार है इसे लिखने की आवश्यकता नहीं। 1 नवंबर से 30 जून तक नदी पर मौरंग/रेत खनन कार्य होता है जुलाई अगस्त सितंबर में बंद रहता है, लेकिन यह सब कागज पर है। वर्षा के बाद नदी के किनारे के खेतों में आई रेत को हटाने के लिए कृषि भूमि पट्टे पर दिए जाते हैं। सैकड़ो साल पुराने बड़े–बड़े रेत के टीले खनन के लिए दे दिए गए, सबसे ज्यादा लोहरेटा क्षेत्र में टीलों से मौरंग रेत के खनन हुआ है। यहां कई वन्य जीवन का प्राकृतिक आवास रहा है और अब खनन के चलते खत्म हो गए। विशेषज्ञों की माने तो बुंदेलखंड में फलदार वृक्ष काफी तेजी से खत्म हुए उनकी जगह विलायती बबूल ने ले ली जो पानी को वास्तविक वाष्पीकृत करने में सक्षम है और जमीन के नीचे का पानी कम हो जाता है। फलदार वृक्ष न होने से या कम होने से सर्वाहार जीवन ने ठिकाना बदल दिया है। विलायती बबूल के कांटे जंगली जानवरों को छोड़ो, मनुष्यों के लिए भी जान के दुश्मन होते हैं, अतः घायल जानवर अपने निवास स्थान को बदल देते हैं।

8प्रतिशत के करीब वन क्षेत्र बुंदेलखंड में बचा है। पांच जिलों बांदा, हमीरपुर, महोबा, झांसी व उरई में वन क्षेत्र बहुत तेजी से घटा है। आश्चर्य की बात है कि बुंदेलखंड में एक भी गिद्ध नहीं है वहीं सारस का कुनबा बढ़ा है। चित्रकूट धाम मंडल के बांदा में 2021 साल में 34 थे। महोबा में जीरो से पांच, हमीरपुर में 41 से 61 और चित्रकूट में 28 से 50 सारस में मिले हैं। इन पक्षियों की गणना साल में दो बार होती है पहली बार ग्रीष्मकालीन जून और दूसरी बार शीतकालीन दिसंबर में। फलदार वृक्ष के घटना से सर्वाहार जीवन ने ठिकाना बदल दिया।

वन

वन विभाग को बुंदेलखंड में पौधा रोपण का सेटेलाइट सर्वे प्रस्तुत करने लिए कहा गया है। एलाहाबाद हाईकोर्ट ने आपत्ति जताते हुए सैटेलाइट सर्वे लाने के लिए कहा

वन विभाग के अनुसार बुंदेलखंड के साथ जनपदों बांदा महोबा चित्रकूट जालौन हमीरपुर झांसी ललितपुर में वन विभाग तथा अन्य विभागों ने 10 करोड़ पौधे लगाए और इन पर लगभग चार एक करोड रुपए खर्च हुए 41 करोड रुपए खर्च हुए। एलाहाबाद हाईकोर्ट ने आपत्ति जताते हुए, 13 दिसंबर 2022 को मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति राजेश बिंदल और न्यायाधीश जे जे मुनीर ने वन विभाग को सैटेलाइट सर्वे की रिपोर्ट दाखिल करने के लिए कहा। यह याचिका पीआईएल दाखिल की गई थी

बुंदेलखंड में जंगलों की स्थिति निम्न प्रकार है

बान्दा	02.31 परसेंट
महोबा	05.14 परसेंट
चित्रकूट	19.64 परसेंट
जालौन	05.42 परसेंट
हमीरपुर	05.65 परसेंट
झांसी	06.05 परसेंट
ललितपुर	11.54 परसेंट

पाठा के जन्गलों में 3वर्षों में लगाये पेडों का विवरण निम्न है।

वर्ष	रोपित
2022	63,64,010
2023	73,80,818
2023	74,12,671
कुल सन्ख्या	2,11,57,499

प्रति पेड़ 9वर्गमीटर लिया जाता है, इस हिसाब से तो 19,04,17,491 वर्गमीटर में रोपड़ हो गया, अर्थात् 191 वर्गकिलोमीटर। शायद चित्रकूट मंडल आच्छादित होता।
सन्दर्भ समसचार पत्र हिन्दुस्तान इदकं ीपेज जतमम अतर्पों तवचंद 220425

जंगल

बांदा के बीहड़ कहे जाने वाले ककनारे बाबा का जंगल केन नदी के किनारे पहले जहां दस्यु दलो का ठिकाना हुआ करता था और आमजन रात में तो जाने का सोच ही नहीं सकते थे, दिन में भी घबराते थे। अब भी वहां यही दहशत है लेकिन वजह बदल गई है वहां नीलगाय जंगली गाय और सांड बहुत ज्यादा मात्रा में है 1990 तक ददुआ 1995 तक रामकरण का यहां पर ठिकाना रहा करता था अब इन जंगली जानवरों की वजह से खेती न करना या खेती परती रखना बहुत सारे किसानों की मजबूरी है।

2016, 2019, 2022ई0 सर्वे के अनुसार

वन्य जीव	2016	2019	2022
चिंकारा	210	236	65
काला हिरण	199	259	73
कुकर हिरण	110	127	55
वनरोज	611	671	2703
सांभर	35	44	44
चीतल	133	163	0
भालू	420	10	0
बारासिंघा	13	19	0
काकड़	118	129	0
सूअर	1590	1405	2064
बंदर	1065	1234	1962
लंगूर	891	907	182
भेड़िया	293	343	37
लकड़बग्घा	166	235	36
लोमड़ी	343	386	205
सियार	540	687	501
मोर	1077	1172	343
वनगाय	25	0	0
जंगली बिल्ली	147	198	31
बीजू रेटल	231	309	67
सेही	408	514	76

गोह	585	666	204
अन्य	0	0	6
कुल	9210	9714	8654
	9210	9714	8654

कोलवा, बदौसा(बान्दा) का जंगल, बियावान जंगलों में से एक है। बदल सके आसपास इसका इलाका है यहां पर 2021ई0 सर्वे के अनुसार

नीलगाय	1340
बंदर	710
जंगली सूअर	430
लंगूर	173
सियार	270
चीता	01
लोमड़ी	26
जंगली बिल्ली	40
गोह	130
नेवला	900
खरगोश	85
विष खापर	1800
मोर	650

के लगभग हैं

बांदा हिस्ट्री जानवर

चार दशक पहले 5400 हेक्टेयर में पहले कॉलवा देवली मोतिहारी कल पात्रा माही कुलसरी नौगांव आदि जंगलों में जंगली जानवरों की बहुतायत थी। कुछ लोगों के वरदान से जंगल का काट कर खत्म होने की आहट पाकर, पशुओं को या तो शिकारी ने शिकार कर डाला या फिर भुखे भ्रमण करते हुए जंगल को छोड़कर कहीं दूसरी जगह जाने लग गए यह सर्वे 2021 का है।

रानीपुर टाइगर 16620 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। रानीपुर टाइगर रिजर्व में बाघ, तेंदुआ, भालू, सांभर, हिरण, चिंकारा आदि रहते हैं

————00————

चिरौंजी

बुंदेलखंड के घने जंगलों में दशकों से चिरौंजी के हजारों पेड़ बिना पहचान के खड़े रहे और इंडियन फॉरेस्ट सर्विसेज के महान अधिकारिओं और वन विभाग को इसका पता ही नहीं चला। अब इसकी पहचान हुई तो विभाग ने आदिवासियों की आजीविका छीन ली। बांदा जिले के फतेहगंज क्षेत्र के जंगलों में मिले इन पेड़ों की उम्र 50 साल से अधिक है। बांदा जिले के फतेहगंज क्षेत्र को मिनीपाठा भी कहते हैं। इसमें पथरा, कोल्हुआ, कालिंजर–बहादुरपुर, देवली, खरोंच, मोतिहारी, महुई,

खुटला, नौगवां, आदि जंगल के क्षेत्र हैं और इसी क्षेत्र में चिरौंजी के पेड़ चिन्हित हुए हैं। इलाके के ग्रामीण अभी तक चिरौंजी के इन पेड़ों से फल संग्रह/तोड़ते थे और महान कर्मठ वन विभाग को इसके बारे में पता नहीं था। पता चलते ही वन विभाग ने चिरौंजी/अचार संग्रह की योजना बनाई और स्थानीय आदिवासियों/ग्रामीणों को बेरोजगार कर दिया। चिरौंजी के पेड़ पर फरवरी में फूल आते हैं और मार्च अप्रैल मई होते होते इसमें फल आ जाते हैं। मई के अंत में इसके फल टूटने लगते हैं। फलों को तोड़ लिया जाता है या फिर जमीन पर पड़े फलों को संग्रहीत कर लिया जाता है। मई में पहली बार कालिंजर बहादुरपुर जंगल में चिरौंजी के पेड़ों से वन विभाग ने फलों का संग्रह किया।

चिरौंजी के फलों का संग्रह कर प्रक्रिया कर दाना निकाल कर ऑर्गेनिक उत्पादन के रूप में बाजार में बेचा जा सकता है। इसी तरह महुआ भी इसी तरह का आर्गनिक उत्पादन है।

अरविन्द कुमार त्रिपाठी कृत पुरातन बान्दा, बुन्देलखण्ड का संक्षिप्त वर्णन

भारत सरकार के पाँच प्रपत्र

BASIC FACTS

FOREST DIVISION	**Banda Forest Division, Banda**
FOREST CIRCLE	**Chitrakoot Dham Cicle, U.P., Banda.**
PREIOD OF PROPOSED WORKING PLAN	**2019-20 To 2028-29**
PREIOD OF EXPIRED/ONGOING WORKING PLAN WITH	**2005-06 To 2014-15 & Extantion Working Plan (2015-16 to 2016-17 and 2017-18 to 2018-19)**
REFERENCE LETTER NO. AND DATE OF APPROVAL OF EXISTING WORKING PLAN	**Extension of working plan for year 2017-18 to 2018-19 is approved via letter of GoI Ministry of Environment, forests & Climate change, (Regional Offices) File No.ROC/WP/58/97/688 DATE 13-03-2019**

संन्दर्भ ग ठदकं भ्पेज वितमेज ाक्सीनं ंदपउंस जलचम
संन्दर्भ ग ठदकं भ्पेज वितमेज ाक्सीनं ंदपउंस जलचम
सन्दर्भ ग इदकं ीपेज वितमे रनदहसम दंउम चमबमदजंहम मगच

पशु, पक्षी, वृक्ष, झुप, जड़ी–बूटी व जन्गल Animal, Birds, Trees, Shrubs, Herbs & Forests